भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-18 अंक-06 | वि. स. 2079 | युगाब्द 5124 | अगस्त-2022 | डिजिटल/प्रिंट संस्करण

मार्गदर्शक :
- डॉ कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :
- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :
- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :
- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :
- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मो: 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

आलोकः प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संरक्षक सहयोग राशि : रु 5000/-

सदस्यता शुल्क : संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/-

जन्म- 29 अगस्त, 1905 पुण्यतिथि -03 दिसम्बर 1979

मेजर ध्यानचन्द

खेल जगत के सूरमा, 'ध्यान चन्द' गतिमान।
पद्मभूषण से अलंकृत, तुम भारत की शान।।
हे हाकी के जादूगर! अमर तुम्हारा नाम।
स्वीकारो आदर सहित, वन्दन नमन प्रणाम।।

- शिव

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में भी प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 29 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. सचल चिकित्सा सेवा - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. नेत्र चिकित्सा सेवा - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. विकलांग सहायता सेवा - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. छात्रवृत्ति- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000।
6. सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) - रु. 2,000 की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. सेवा संवाद (मासिक) - रू. 2,000 की आजीवन एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. माधव सेवा आश्रम - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. विश्राम सदन दिल्ली - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित **माधव सेवा विश्राम सदन** के भवन निर्माण हेतू अधिकाधिक सहयोग अपेक्षित है।
11. अक्षय सेवा - दिल्ली में एम्स एवं दो अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
12. CSR फंड - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी FCRA के अन्तर्गत दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - भारतीय स्टेट बैंक, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली - खाता सं. 41171580896 (IFSC : SBIN0013182)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

आज सम्पूर्ण देश 1 5 अगस्त 2021 से 15 अगस्त 2022 तक स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष पर्यन्त चलने वाले पर्व **स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव** मना रहा है। क्यों न हो! अगस्त का महीना प्रतिवर्ष हमें परतन्त्रता काल की यातनाओं का स्मरण कराते हुए अपने देश की आंतरिक रक्षा-सुरक्षा सुनिश्चित करने को सजग रहने, तथा अपने-अपने स्तर पर अपने सभी दायित्वों को योग्य रीति से कुशलता पूर्वक सम्पन्न करने के लिए प्रेरित करता है। स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा देखे गए सपनों के भारत को समझने और उसमें अपनी भूमिका पर विचार करने का आह्वान करता हुआ एक पवित्र अवसर है। आजादी के संघर्ष में उत्पन्न हुई ऊर्जा से स्वयं को फिर से ऊर्जित करने और उन ऊर्जा स्रोतों के प्रति कृतज्ञ होने का क्षण है।

स्वतंत्रता की बलिबेदी पर अनेक ऐसे योद्धा बलिदान हो गए या कुछ जीवित भी रहे पर उनका नाम उस समय प्रकाश में नहीं आ सका। यह समय उनके नाम खोजकर उनके प्रति श्रद्धांजलि व कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है, भारतीय होने के असीम गौरव बोध का उत्सव है, अपनी गौरवशाली परंपराओं और संस्कृति की जड़ों से पोषित होकर नवपल्लवित होने, भारत के पुनर्निर्माण की तैयारी के उद्घोष का समय है। यह परतंत्रता का कारण रही अपनी कमियों और गलतियों से सीखने और सुधारने का संकल्प लेने का सुअवसर है। स्वतंत्रता के यज्ञ में भारत की मातृशक्ति भी अपनी आहुति देने में पीछे नहीं रही। रानी अहिल्याबाई, बेगम हजरत महल, अवंती बाई लोधी, झलकारी बाई, सरोजिनी नायडू, रानी चेन्नम्मा, रानी गाइदिल्यू, मातंगिनी हाजरा, दुर्गा भाभी, अरूणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी, एनीबेसेंट, मुथुलक्ष्मी रेड्डी, लक्ष्मी सहगल, भीकाजी कामा, कनकलता बरूआ आदि के अप्रतिम और सक्रिय योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। हमारे हर कृत्य में राष्ट्रीय स्वाभिमान की छाप हो, दैनन्दिन व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन में स्वदेशी का प्रयोग करने और आत्मनिर्भर बनने का शुभ संकल्प जागृत हो। इससे विशुद्ध राष्ट्रीय चरित्र का आविर्भाव होगा। हम सभी में समाज और राष्ट्र के प्रति प्रेम और श्रद्धा का भाव आवश्यक है। हम सबमें ऐसा भाव होना चाहिए कि हम एक ही मातृभूमि के पुत्र हैं। इसकी रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। राष्ट्र के प्रति हमारा प्रेम और समर्पण हमारे आचरण में अभिव्यक्त होना चाहिए। असत्य भाषण, हृदय की संकीर्णता, असदाचरण, कायरता, अकर्मण्यता, असहिष्णुता, अज्ञानता, विद्वानों का अपमान एवं आपसी असहयोग से राष्ट्र कमजोर होता है। राष्ट्र-भाव की क्षीणता के कारण चिंतन केन्द्रित हो जाता है। आत्मकेन्द्रित, श्रीहीन नेतृत्व, स्वार्थान्ध होकर उचित-अनुचित, न्याय-अन्याय का विवेक नहीं रख पाता, फलस्वरूप भ्रष्टाचार, अनाचार, दुराचार तथा पराधीनता का विस्तार होता है। अस्तु आवश्यक है कि हम राष्ट्र भाव को सतत जाग्रत रखें और अपने गौरवशाली इतिहास से सीख ग्रहण करते रहें।

स्वतंत्रता पर्व के अमृत महोत्सव पर हमें विद्यार्थियों में संस्काररयुक्त मूल्याधारित शिक्षा के साथ युगीन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वावलम्बन की दिशा में प्रेरित करने के लिए शिक्षक और अभिभावक के रूप में हमें संकल्पबद्ध होना है। हमें आनन्दपूर्वक समाज सेवा, सामाजिक-धार्मिक-राष्ट्रीय परम्पराओं के पालन तथा राष्ट्र के संकल्प के साथ श्रेष्ठ जीवन जीना है। इन्हीं सद्भावनाओं के साथ यह अंक आपको समर्पित है।

-शिव

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ के लिए जुलाई माह अति व्यस्ततापूर्ण रहा। नियमित गतिविधियों के अतिरिक्त वर्तमान शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया के क्रम में दिनांक 24 जुलाई को सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अलीगंज, लखनऊ में लिखित परीक्षा संपन्न हुई। बालिकाओं के लिए 92 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें 67 बालिकाएं परीक्षा के लिए उपस्थित रहीं जिनमें से 37 बालिकाओं ने NEET तथा 30 ने JEE की कोचिंग में सहयोग प्राप्त करने हेतु परीक्षा दी। अगस्त माह में लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार के उपरान्त बालिकाओं के घर जाकर भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया के साथ प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होगी।

दिनांक 10 जुलाई को प्रकल्प में अध्ययनरत बालिकाओं के लिए व्यक्तित्व विकास की श्रृंखला में 'आजादी का अमृत महोत्सव' विषय पर सत्र का आयोजन किया गया, जिसका संचालन हमारी महिला टीम की सदस्या फाल्गुनी जी ने किया। बैच 2021 की लगभग सभी छात्राओं ने इसमें भाग लेते हुए विषय से संबंधित अपने विचारों को व्यक्त किया। सत्र के अंत में फाल्गुनी जी ने सूक्ष्म विश्लेषण करते हुए सभी बालिकाओं को संबोधित किया और जिससे जो भी कमियां रह गईं थीं, उस ओर उनका ध्यान आकर्षित किया। साथ ही 'अमृत महोत्सव' के उद्देश्य को स्पष्ट किया। हमारी संरक्षिका नीलिमा जी, अणिमा जी, श्रद्धा जी, संयोजिका सीमा नरेंद्र अग्रवाल जी व कार्यालय सहायिका रंजना श्रीवास्तव जी ने भी पूरे सत्र में उपस्थित रहते हुए अपनी सहभागिता दी और बालिकाओं में देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करते हुए समसामयिक घटनाक्रमों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

व्यक्तित्व विकास की श्रृंखला में दिनांक 31 जुलाई को 'प्रेरक व्यक्तित्व' विषय पर सत्र आयोजित किए गए, जिनमें सभी उपस्थित छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महामना शिक्षण संस्थान का सफल अभियान

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान के पहले बैच के 7 में से 5 विद्यार्थी विभिन्न सरकारी विश्वविद्यालयों में इंजीनियरिंग में प्रवेश पाने में सफल हुए थे। उसी परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए अगले बैच के विद्यार्थी भी सफलता के नए आयाम गढ़ने की ओर अग्रसर हैं। JEE (Mains) - 2022 के पहले सत्र का परीक्षा परिणाम 10 जुलाई को आया था। हर्ष का विषय है कि सभी शुभचिंतकों के आशीर्वाद से महामना शिक्षण संस्थान के छात्रों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का गौरव बढ़ाया है। संस्थान के इंजीनियरिंग समूह के 14 में से 12 छात्र आगामी JEE(Advanced) परीक्षा के लिए चयनित हुए हैं। संस्थान के 8 छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षा में 85 से अधिक प्रतिशित अंक प्राप्त किये हैं। सचिन नाग ने 96.25, विपिन कुमार ने 94.55, सात्विक वाजपेयी ने 93.39, अजय कुमार ने 93.25, स्वयम चौरसिया ने 89.71, विशाल गुप्ता ने 88.86, विकास निषाद ने 87.83 और प्रशांत यादव ने 85.80 percentile प्राप्त किया है।

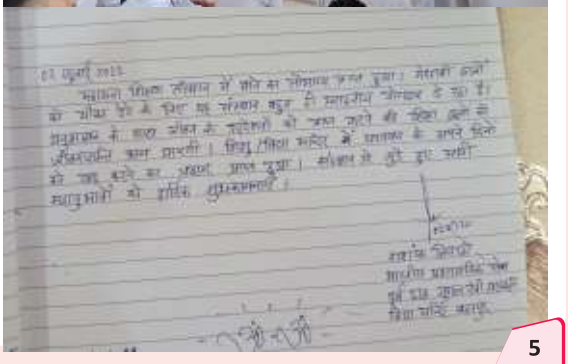

ये सभी छात्र आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग से आते हैं और पिछले दो वर्ष से संस्थान में रह कर निशुल्क कोचिंग और शिक्षा ले रहे हैं। संस्थान के सभी छात्रों से आगामी परीक्षाओं में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास और महामना शिक्षण संस्थान परिवार इन सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

दिनांक 03 जुलाई को श्री शशांक त्रिपाठी आई.ए.एस सचिव मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश और प्रदीप बाजपेई रजिस्टार IIT ए.के.टी.यू का आगमन शिक्षण संस्थान में हुआ। परिचयात्मक कार्यक्रम के पश्चात उन्होंने छात्रों से विभिन्न विषयों पर बातचीत की जैसे - परीक्षा की तैयारी कैसे करें, प्रश्नों को कैसे हल करें आदि आदि। इन विषयों पर विस्तार पूर्वक बातचीत करते हुए अपने विचारों से छात्रों को अभिभूत किया। श्री त्रिपाठी जी ने छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का

समाधान करते हुए उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत किया। उक्त अवसर पर संस्थान के सचिव और न्यास के न्यासी श्रीमान रंजीव तिवारी जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात श्री शशांक त्रिपाठी जी ने इस प्रवास के विषय में अपने विचार लिखित में साझा किए।

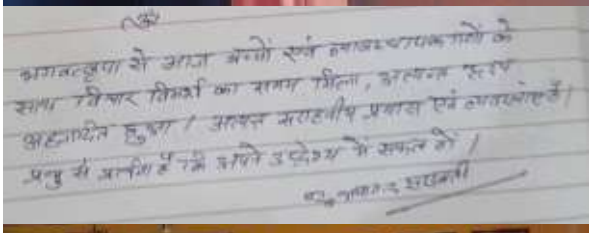

दिनांक 27 जुलाई को महामंडलेश्वर स्वामी अभयानंद सरस्वती जी निर्वाणी अखाड़ा का आगमन संस्थान परिसर में हुआ। सर्वप्रथम संस्थान के सचिव श्री रंजीव जी द्वारा स्वामी जी का परिचय कराया गया और उसके बाद विद्यार्थियों का परिचय संपन्न हुआ। स्वागत और अभिनंदन के पश्चात स्वामी जी ने उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा - "तुलसी का पौधा 2 से 3 फुट ही बड़ा होता है, मैंने कुछ पौधों की सेवा के साथ-साथ उनकी टहनियों को छांटकर सात फुट से भी बड़ा पौधा तैयार किया। जैसे तुलसी के पौधे को सामान्य से भी लंबा किया जा सकता है उसी प्रकार विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को बड़ा करने और सफलता प्राप्त करने हेतु कुछ समय के लिए अन्य नकारात्मक ऊर्जाओं का सामना करना पड़ेगा और संबंधों को भूलना पड़ेगा। उन्हें सफलता अवश्य प्राप्त होगी। हमारे जीवन की उपलब्धियों में जिनका भी योगदान है उनके प्रति हम सदैव कृतज्ञ रहें। अपनी मातृभूमि के प्रति सदैव श्रद्धा और भक्ति का भाव रखें।"

कार्यक्रम के अंत में संस्थान की ओर से आभार ज्ञापन छात्रावास संचालक श्रीमान कैलाश चंद्र मिश्र द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर संस्था के सचिव श्रीमान रंजीव तिवारी जी पूरे समय उपस्थित रहे।

एम्स विश्राम सदन, दिल्ली

7 जुलाई को दिल्ली में न्यास द्वारा संचालित एम्स विश्राम सदन में सौभाग्य से दिल्ली पुलिस के कमिश्नर (विशेष) श्री सुरेन्द्र सिंह यादव जी का आगमन हुआ। वे किसी कार्य से सदन के निकट ही आये हुए थे। अपने आप को "Cop by passion" मानने वाले और अब तक के सबसे युवा विशेष पुलिस कमिश्नर श्री यादव जी के साथ न्यास के कोषाध्यक्ष और विश्राम सदन के संयोजक डॉ रामअवतार किला जी भी थे। श्री यादव जी ने सदन द्वारा दी जा रही सेवाओं और उसके रखरखाव का अवलोकन किया, न्यास द्वारा किए जा रहे कार्य को सराहा और उसकी प्रशंसा की। उनका सदन में में आना और इसके बारे में विचार रखना सदन और न्यास के सभी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करेगा। न्यास और सदन के सभी पदाधिकारियों की ओर से श्री यादव जी का बहुत बहुत धन्यवाद। आशा है भविष्य में भी आपका न्यास के साथ संपर्क बना रहेगा।

विश्राम सदन, पटना

भाऊराव देवरस सेवा न्यास की योजना से देश भर में चलने वाले 5 विश्राम सदनों में एक है पटना के IGIMS अस्पताल के निकट चलने वाला पॉवर ग्रिड विश्राम सदन। इस विश्राम सदन में रोगियों व उनके सहायकों के ठहरने के लिए कुल 291 बिस्तरों की व्यवस्था है। उत्तम व्यवस्था के चलते आजकल यह सदन अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहा है और शनिवार/रविवार के अतिरिक्त सभी दिनों में कोई बिस्तर खाली नहीं रहता। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त श्री रणजीत प्रसाद सिंह जी गत 8 जुलाई को इस विश्राम सदन में पधारे। उन्होंने पूरे सदन का भ्रमण किया और वहां दी जा रही सेवाओं का अवलोकन किया। बाद में उन्होंने अपने विचार प्रकट किये - "धर्मशाला (पॉवर ग्रिड) में मरीज के साथ रहने का मौका मिला। यहाँ के व्यवस्थापक एवं कर्मचारी गण का व्यवहार बहुत ही अच्छा लगा। सहयोग की भावना से ये लोग कार्य करते हैं।" उनके इन विचारों ने न्यास व सदन से जुड़े कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। न्यास की कार्यसमिति की ओर से उनका आभार।

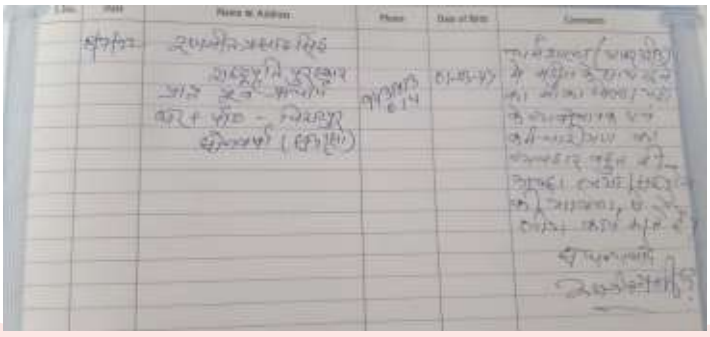

एम्स विश्राम सदन, झज्जर, हरियाणा

भाऊराव देवरस सेवा न्यास की योजना से देश भर में चलने वाले 5 विश्राम सदनों में एक है एम्स झज्जर परिसर में स्थित इंफोसिस विश्राम सदन। इस विश्राम सदन का उद्घाटन पिछले वर्ष 21 अक्टूबर को माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के हाथों हुआ था। 806 बिस्तरों की व्यवस्था वाला यह सदन पूर्णतः वातानुकूलित है। इस सदन में भूतल पर कार्यालय, भोजनालय, डाइनिंग हाल के साथ साथ 3 डॉरमेट्री के कमरे हैं। प्रथम तल से पंचम तल तक डॉरमेट्री के 14 कमरे हैं और छठे, सातवें और आठवें तल पर 2 बिस्तरों वाले 30 और 3 बिस्तरों वाले 4 कमरे हैं। हर डॉरमेट्री कक्ष में 8 बिस्तरे हैं। इस प्रकार कुल 175 कमरे हैं।

5 जुलाई को VC डॉ सक्सेना के निर्देश पर न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन, एम्स झज्जर का निरीक्षण PGI रोहतक के एक दल द्वारा किया गया जिसका नेतृत्व प्रो. डॉ जोहर ने किया। उन्होंने परिसर में घूम कर न्यास द्वारा दी जा रही सेवाओं का निरीक्षण किया और बाद में सदन के कार्यकर्ताओं से चर्चा भी की।

धीरे धीरे सदन में रूकने वालों की संख्या बढ़ रही है और औसत संख्या 200 के आस पास रहती है। सदन में पुस्तकालय और वाचनालय भी हैं। अन्य सुविधाएं भी बढ़ाई जा रही हैं।

अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या

न्यास के नवीनतम प्रकल्प अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या का उदघाटन पिछले माह 24 जून 2022 को किया गया था। 4 जुलाई से इस संस्थान ने विधिवत रूप से कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है। सेवा के इस पुनीत कार्य में लगे इस केंद्र की प्रसिद्धि शीघ्र ही क्षेत्र में फैल गई जिसके परिणाम स्वरुप पहले माह में ही प्रतिदिन नेत्र परीक्षण के लिए आने वालों की संख्या 150 के आस पास होने लगी है।

संस्थान के कार्य करने का समय प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक का है। मात्र 20 रूपये का शुल्क लेकर रोगियों का पंजीकरण किया जाता है। एक नेत्र विशेषज्ञ दोपहर 2 बजे तक रोगियों की जाँच का कार्य करते हैं। तत्पश्चात बाकी प्रक्रिया पूरी की जाती है। कभी कभी तो रोगियों को समय अवधि पूर्ण होने के कारण वापिस भी भेजना पड़ता है। आवश्यकता अनुसार रोगियों को निशुल्क चश्मा वितरण की व्यवस्था भी न्यास के द्वारा की गई है और इसकी संख्या भी 125 चश्मे प्रतिदिन तक पहुँच गई है।

समय-समय पर अन्य श्रेष्ठ चिकित्सक भी अपने बहुमूल्य समय का समर्पण करते हैं। चिकित्सकों, स्वयंसेवी संस्थाओं और कुछ सेवामयी व्यापारीगणों के सहयोग से ही संस्थान का कार्य तेजी से बढ़ना संभव हो पाया है। मा. अशोक सिंघल जी के नाम को सार्थक करते हुए न्यास और संस्थान अपने उद्देश्य को पूरा करने की ओर प्रयासरत हैं।

अक्षय सेवा प्रकल्प - दिल्ली

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा 5 वर्ष पूर्व 27 अप्रैल 2017 को प्रारम्भ हुए अक्षय सेवा प्रकल्प को अब 2000 दिन पूर्ण होने जा रहे हैं। इस प्रकल्प के माध्यम से लगभग 2000 लोगों को दिल्ली के तीन प्रमुख अस्पतालों - एम्स, आर एम एल और सफदरजंग अस्पताल के निकट प्रतिदिन दोपहर का भोजन वितरित किया जाता है।

कुछ दिनों तक ही चलाने के उद्देश्य से प्रारम्भ किए गए इस प्रकल्प को भगवान् की कृपा और लोगों की शुभकामनाओं के साथ न्यास इतने दिनों तक अनवरत चलाने में सफल रहा है और आशा है कि यह आगे भी और पहले से अधिक स्थानों पर प्रारम्भ करने में न्यास सफल होगा। एक ईश्वरीय कार्य होने के कारण ही यह लगातार बिना किसी बाधा के बढ़ रहा है।

न्यास और प्रकल्प के पदाधिकारियों को पूर्ण विश्वास है कि यह प्रकल्प अपना अगला पढ़ाव और अधिक स्थानों और अधिक लोगों के भोजन वितरण के साथ मनाएगा। आप सभी से अनुरोध है कि अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकालकर भोजन वितरण के इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग करें।

सफदरजंग अस्पताल के कैंसर डिपार्टमेंट के डॉ कौशल 17 जुलाई को अपने बेटे के जन्मदिन के शुभ अवसर पर अक्षय सेवा के भोजन वितरण में भाग लेने पहुंचे। उनके बेटे को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। सभी के लिए अपने घर के मंगल प्रसंग को मनाने का एक अच्छा उदाहरण डॉ कौशल ने प्रस्तुत किया।

न्यास पिछले पांच वर्ष से अधिक समय से इस भोजन वितरण के कार्य को अनवरत कर रहा है जिसका परिणाम है कि भोजन ग्रहण करने वालों का आंकड़ा 45 लाख को भी पार कर गया है। यह आंकड़ा प्रकल्प से जुड़े कार्यकर्ताओं को गौरवान्वित महसूस कराता है। प्रकल्प की इस सफलता में समाज के अनेक गणमान्य महानुभावों का स्नेह और आशीर्वाद का भी बहुत बड़ा हाथ है।

8 जुलाई के भोजन वितरण में प्रसिद्ध समाजसेवी श्री अंकुर गर्ग जी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने हाथों से भोजन वितरण किया। महानुभावों का यह भाव प्रकल्प के कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करता है। अतः न्यास की ओर से उन सभी का हार्दिक धन्यवाद।

8 July को अक्षय सेवा प्रकल्प में हुए भोजन वितरण के दृश्य

समर्थ भारत - दिल्ली

- **समर्थ भारत प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन समारोह** : समर्थ भारत के प्रशिक्षण केन्द्रों के उद्घाटन की श्रृंखला में एक और नए केंद्र का उद्घाटन 1 जुलाई प्रातः तोताराम बाजार में हुआ। इस केंद्र में महिलाओं हेतु ब्यूटिशियन का त्रैमासिक प्रशिक्षण दिया जायेगा जिसके पश्चात प्रशिक्षार्थियों को KVIC के द्वारा प्रमाणपत्र भी दिया जायेगा। समारोह के मुख्य अतिथि थे डॉ. सुभाष अग्रवाल (चेयरमैन - अमित मार्बल प्राइवेट लिमिटेड) और मुख्य वक्ता थे श्रीमान भारत भूषण जी (दिल्ली के प्रान्त कार्यवाह)।

- **सेन समाज के प्रमुख लोगों के साथ बैठक :** दिनांक 22 जुलाई को सेन भगत शिव मंदिर, हरी नगर घंटाघर में सेन समाज के प्रमुख लोगों के साथ बैठक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिल्ली प्रान्त कार्यवाह श्री भारत भूषण जी के मार्गदर्शन में हुई जिसमें कुल 23 बन्धु उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य सेन समाज के युवा वर्ग को हेयर स्टाइलिस्ट कोर्स करने के लिए प्रोत्साहित करना था। प्रशिक्षण के उपरांत प्रशिक्षार्थी इस गुण में महारत हासिल कर अपने पैरों पर खड़े हों और स्वावलंबी बनें इस विषय पर चर्चा की गयी।

- **अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की रोजगार और स्वावलंबन विषय पर कार्यशाला** : 23 जुलाई को करोल बाग में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के द्वारा स्वावलंबी भारत के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें समर्थ भारत द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में श्री नवीन जी ने विषय रखा। इस कार्यक्रम में 17 प्रान्तों से प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

- **प्रियंका कैंप केंद्र प्रशिक्षण गतिविधियाँ –** ब्यूटिशियन कोर्स - इस कोर्स में 20 बहने प्रशिक्षण ले रही हैं । श्रीमती निशा गोला जी के द्वारा इस केंद्र में ब्यूटिशियन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है । यह बैच 09 मई से प्रारंभ हुआ था और तीन माह के पश्चात 08 अगस्त को पूर्ण होगा। जुलाई में हेयर कटिंग और स्टाईल और ब्राइडल मेकअप आदि की गतिविधियाँ हुई हैं।

- सैनिक फार्म, संगम विहार केंद्र प्रशिक्षण गतिविधियाँ – इस केंद्र में एक नए कौशल GST, Tally और Account Asst. का प्रशिक्षण सुश्री ज्योती शर्मा जी द्वारा प्रारम्भ हुआ है। 2 माह के प्रशिक्षण के पूरा होने के पश्चात PCTI संस्था के माध्यम से NSDC का प्रमाणपत्र दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण 22 प्रशिक्षार्थियों के साथ 13 जून से 12 अगस्त तक चलेगा। इसका प्रशिक्षण सुश्री ज्योती शर्मा

जी के द्वारा दिया जा रहा है। पहली बार हमारे किसी बैच में भैया और बहनों का सांगिक प्रशिक्षण हो रहा है। जुलाई में पढ़ाये गए विषय हैं - Introduction of Tally, Multiple Ledgers, Accounting Voucher, Memorandum Voucher and Introduction of Inventory, Inventory, Bill of Material, Actual billed quantity and bill wise details.

- उत्तमनगर केंद्र प्रशिक्षण गतिविधियाँ – इस केंद्र में ब्यूटिशियन कोर्स के दूसरे बैच का प्रशिक्षण श्रीमती ज्योती शर्मा जी के द्वारा दिया जा रहा है जो 15 अगस्त को पूर्ण होगा। इस बैच में कुल 19 प्रशिक्षार्थी हैं। इस माह की गतिविधियाँ हैं – हेयर स्ट्रेटनिंग, कटिंग और कलर, थ्रेडिंग और मेहंदी क्लास

- कड़कड़डूमा केंद्र प्रशिक्षण गतिविधियाँ – एसी और रेफ्रीजरेटर कोर्स - इस कोर्स में 19 प्रशिक्षार्थी श्रीमान दीपक दत्त जी के द्वारा प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसकी अवधि 9 मई से 8 जुलाई है। इस माह हुई गतिविधियाँ हैं – (i) Installation of Semi/Fully Automatic Washing Machine and (ii) Parts & Their Working of Semi-Automatic Washing Machine

- कड़कड़डूमा केंद्र में ब्यूटिशियन कोर्स - इस कोर्स में 22 प्रशिक्षार्थी श्रीमती निधि दीक्षित जी के द्वारा प्रशिक्षण ले रहे हैं। तीन माह का यह प्रशिक्षण 06 जून से प्रारम्भ हुआ और 05 सितंबर को पूर्ण होगा। जुलाई में दूसरे माह के प्रशिक्षण में हुई कुछ गतिविधियाँ हैं - पहले माह का असिसमेंट; मैनीक्योर; फेस क्लीनिंग; फेस मसाज; हेयर स्मूथिंग; नेल आर्ट; और आई मेकअप और आर्ट

- ब्रह्मपुरी केंद्र में ब्यूटिशियन कोर्स – सुश्री कंचन रानी जी के द्वारा इस केंद्र में ब्यूटिशियन कोर्स के तीसरे बैच का प्रशिक्षण 22 प्रशिक्षार्थियों को दिया जा रहा है। तीन माह का यह कोर्स १ जून से ३१ अगस्त तक होगा। जुलाई में थ्योरी क्लास और हेयर हाईलाइटिंग गतिविधियाँ हुईं।

- रघुबीर नगर प्रशिक्षण केंद्र में ब्यूटिशियन कोर्स – इस केंद्र में 1 जुलाई से ब्यूटिशियन कोर्स के तीसरे बैच का प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ है। यह प्रशिक्षण सुश्री रंजीता संधु जी के द्वारा दिया जा रहा है। इस केंद्र में 22 प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह प्रशिक्षण तीन माह के बाद 30 सितंबर को पूर्ण हो जायेगा। प्रथम माह की गतिविधियाँ हैं – हेयर स्टाइल और हेयर डो जूड़ा

पावन स्मृति - अगस्त

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया,अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं।

1 अगस्त	पुण्य-तिथि	उपन्यासकार : बाबू देवकीनंदन खत्री
3 अगस्त	जन्म –दिवस	राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त
6 अगस्त	जन्म –दिवस	पानीबाबा : राजेन्द्र सिंह
11 अगस्त	बलिदान-दिवस	अमर बलिदानी खुदीराम बोस
12 अगस्त	जन्म –दिवस	महान वैज्ञानिक: डॉ विक्रम साराभाई
13 अगस्त	जन्म-तिथि	मारवाड़ का रक्षक : वीर दुर्गादास राठौड़
15 अगस्त	जन्म –दिवस	स्वतन्त्रता के उद्घोषक : श्री अरविन्द
16 अगस्त	पुण्य-तिथि	रामकृष्ण परमहंस की महासमाधि
16 अगस्त	पुण्य-तिथि	श्री अटलबिहारी वाजपेयी
17 अगस्त	पुण्य-तिथि	आधुनिक भगीरथ : दशरथ माँझी
17 अगस्त	बलिदान-दिवस	अमर बलिदानी मदनलाल धींगड़ा
18 अगस्त	जन्म-तिथि	अपराजेय नायक : पेशवा बाजीराव
23 अगस्त	पुण्य-तिथि	संगठन के मर्मज्ञ : श्री माधवराव देवड़े
27 अगस्त	पुण्य-तिथि	श्री प्रताप नारायण जी मिश्र
29 अगस्त	जन्म-तिथि	हाकी के जादूगर : मेजर ध्यानचंद

हाकी के जादूगर : मेजर ध्यानचन्द

(29 अगस्त 1905 - 3 दिसम्बर 1979)

कोई समय था जब भारतीय हॉकी का पूरे विश्व में दबदबा था। इसका श्रेय जिन्हें जाता है, उन मेजर ध्यानचन्द का जन्म प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में हुआ था। उनके पिता सेना में सूबेदार थे। उन्होंने 16 साल की अवस्था में ध्यानचन्द को भी सेना में भर्ती करा दिया। वहाँ वे कुश्ती में बहुत रुचि लेते थे; पर सूबेदार मेजर बाले तिवारी ने उन्हें हॉकी के लिए प्रेरित किया। इसके बाद तो वे और हॉकी एक दूसरे के पर्याय बन गये।

उनका मूल नाम ध्यानसिंह था, पर वचाँदनी रात में अकेले घण्टों तक हॉकी का अभ्यास करने से उनके साथी उन्हें 'चाँद' कहने लगे। धीरे धीरे वे ध्यानसिंह से ध्यानचन्द हो गये। आगे चलकर वे 'दद्दा' ध्यानचन्द कहलाने लगे। 1926 में वे सेना एकादश और फिर राष्ट्रीय टीम में चुन लिये गये। इसी साल भारतीय टीम ने न्यूजीलैण्ड का दौरा किया। इस दौरे में पूरे विश्व ने उनकी अद्भुत प्रतिभा को देखा। गेंद उनके पास आने के बाद फिर किसी अन्य खिलाड़ी तक नहीं जा पाती थी। कई बार उनकी हॉकी की जाँच की गयी, कि उसमें गोंद तो नहीं लगी है। अनेक बार खेल के बीच में उनकी हॉकी बदली गयी, पर वे तो अभ्यास के धनी थे। वे उल्टी हॉकी से भी उसी कुशलता से खेल लेते थे। इसीलिए लोग उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहते थे।

भारत ने सर्वप्रथम 1928 के एम्सटर्डम ओलम्पिक में भाग लिया। ध्यानचन्द भी इस दल में थे। इससे पूर्व इंग्लैण्ड ही हॉकी का स्वर्ण जीतता था, पर इस बार भारत से हारने के भय से उसने हॉकी प्रतियोगिता में भाग ही नहीं लिया। भारत ने इसमें स्वर्ण पदक जीता। तीन ओलम्पिक में ध्यानचंद ने 12 मैचों में 38 गोल किये। 1926 से 1948 तक ध्यानचन्द दुनिया में जहाँ भी हॉकी खेलने गये, वहाँ दर्शक उनकी कलाइयों का चमत्कार

देखने के लिए उमड़ आते थे। आस्ट्रिया की राजधानी वियना के एक स्टेडियम में उनकी प्रतिमा ही स्थापित कर दी गयी। भारत के इस महान सपूत को शासन ने 1956 में 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया। 3 दिसम्बर 1979 को उनका देहान्त हुआ। उनका जन्मदिवस 29 अगस्त भारत में 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

कुछ वर्ष पूर्व ही भारत सरकार ने खेल जगत के सबसे बड़े पुरस्कार राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदल कर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार कर दिया गया।

आधुनिक भगीरथ : दशरथ माँझी

(जन्म- अज्ञात, पुण्य तिथि 17 अगस्त, 2007)

स्वर्ग से धरती पर गंगा लाने वाले तपस्वी राजा भगीरथ की तरह दशरथ माँझी एक आधुनिक भगीरथ थे। वे बिहार के गया प्रखण्ड स्थित गहलौर घाटी में रहते थे। उनके गाँव अतरी और शहर के बीच में एक पहाड़ था, जिसे पार करने के लिए 20 कि.मी का चक्कर लगाना पड़ता था। 1960 ई० में दशरथ माँझी की पत्नी गर्भावस्था में घायल हो गईं। दशरथ उसे लेकर शहर के अस्पताल गये, पर दूरी के कारण वह समय पर नहीं पहुँच सके, जिससे उनकी पत्नी की मृत्यु हो गयी।

बस, बात दशरथ के मन को लग गयी। उन्होंने उस पहाड़ को काटकर रास्ता बनाने का निश्चय किया। सुबह होते ही दशरथ औजार लेकर जुट जाते और पहाड़ तोड़ना शुरू कर देते। सुबह से शाम तक दशरथ पसीना बहाते रहते और अंधेरा होने पर ही वे घर लौटते। लोगों ने कई बार दशरथ को समझाना चाहा, पर वे उनके संकल्प को शिथिल नहीं कर सके। अन्ततः 22 साल के लगातार परिश्रम के बाद पहाड़ ने हार मान ली। दशरथ की छेनी, हथौड़ी के आगे 1982 में पहाड़ ने घुटने टेक दिये और रास्ता दे दिया। 20 कि.मी की बजाय अब केवल एक कि.मी की पगडण्डी से शहर पहुँचना सम्भव हो गया था। तब मजाक उड़ाने वाले लोगों को उनके दृढ़ संकल्प के आगे नतमस्तक होना पड़ा। अब लोग उन्हें साधु बाबा के नाम से बुलाने लगे। 17 अगस्त, 2007 को उन्होंने अन्तिम साँस ली।

अमर बलिदानी मदनलाल धींगड़ा

(18 सितम्बर 1883 - 17 अगस्त 1909)

तेजस्वी तथा लक्ष्यप्रेरित लोग किसी के जीवन को कैसे बदल सकते हैं, मदनलाल धींगड़ा इसका उदाहरण हैं। उनका जन्म अमृतसर में हुआ था। उनके पिता तथा भाई वहाँ प्रसिद्ध चिकित्सक थे। बी.ए करने के बाद मदनलाल को उन्होंने लन्दन भेज दिया। वहाँ उसे क्रान्तिकारी श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा स्थापित 'इण्डिया हाउस' में एक कमरा मिल गया। उन दिनों विनायक दामोदर सावरकर भी वहीं थे। 10 मई 1908 को इण्डिया हाउस में 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम की अर्द्धशताब्दी मनायी गयी। उसमें बलिदानी वीरों को श्रद्धाञ्जलि दी गयी तथा सभी को स्वाधीनता के बैज भेंट दिये गये। सावरकर जी के भाषण ने मदनलाल के मन में हलचल मचा दी। अगले दिन बैज लगाकर वह जब कॉलिज गया, तो अंग्रेज छात्र मारपीट करने लगे। धींगड़ा का मन बदले की आग में जल उठा।

उसने वापस आकर सावरकर जी को सब बताया। उन्होंने पूछा, क्या तुम कुछ कष्ट उठा सकते हो? मदनलाल ने अपना हाथ मेज पर रख दिया। सावरकर के हाथ में एक सूआ था। उन्होंने वह उसके हाथ में चुभो दिया। पर मदनलाल ने उफ तक नहीं की। सावरकर ने उसे गले लगा लिया। फिर तो दोनों में ऐसा प्रेम हुआ कि राग-रंग में डूबे रहने वाले मदनलाल का जीवन बदल गया। वह सावरकर जी के साथ लगे रहे। ब्रिटेन में भारत सचिव का सहायक कर्जन वायली था। वह विदेशों में चल रही भारतीय स्वतन्त्रता की गतिविधियों को कुचलने में स्वयं को गौरवान्वित समझता था। मदनलाल को उसे मारने का काम सौंपा गया।

एक कार्यक्रम में योजनापूर्वक प्रवेश कर मदनलाल ने कर्जन वायली के सीने और चेहरे पर गोलियाँ दाग दीं। वह नीचे गिर गया। मदनलाल को पकड़ लिया गया। अब मदनलाल पर मुकदमा शुरू हुआ। मदनलाल ने कहा मैंने जो किया है, वह बिल्कुल ठीक किया है। भगवान से मेरी यही प्रार्थना है कि मेरा जन्म फिर से भारत में ही हो। 17 अगस्त, 1909 को पेण्टनविला जेल में मदनलाल धींगड़ा ने खूब बन-ठन कर भारत माता जय बोलते हुए फाँसी का फन्दा चूम लिया। उस दिन वह बहुत प्रसन्न थे। इस घटना का इंग्लैण्ड के भारतीयों पर इतना प्रभाव पड़ा कि उस दिन सभी ने उपवास रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

विश्राम सदनों में जून-2022 में आने वाले नए रोगी व सहायक

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU, लखनऊ	विश्राम सदन, दिल्ली	IGIMS, पटना	एम्स, झज्जर	योग
1	जम्मू कश्मीर			3		1	4
2	हिमाचल प्रदेश			5		1	6
3	पंजाब			2	2	0	4
4	हरियाणा			24		169	193
5	दिल्ली	7		1	5	111	124
6	उत्तराखंड	6		22		24	52
7	उत्तर प्रदेश	1656	878	229	6	237	3006
8	बिहार	1196	29	278	2131	53	3687
9	झारखण्ड	109	5	29	41	11	195
10	सिक्किम	4					4
11	नागालैंड	2					2
12	असम	2		2		1	5
13	मणिपुर /मिजोरम			2			2
14	अरुणाचल प्रदेश	3					3
15	त्रिपुरा						
16	मेघालय						
17	प. बंगाल	17		21	2	5	45
18	ओडिशा/अंदमान	5		14			19
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना			2			2
20	तमिलनाडु /पुदुच्चेरी						
21	कर्नाटक			4			4
22	केरल						
23	महाराष्ट्र /गोवा	10				1	11
24	मध्य प्रदेश	79	8	42		30	159
25	छत्तीसगढ़	4		5		1	10
26	गुजरात	3					3
27	राजस्थान		1	41		27	69
28	अन्य						
	पड़ोसी देश						
29	नेपाल	24	9	28	1	5	67
30	बांग्लादेश		2			5	7
31	अन्य देश						
	योग (इस मास)	**3127**	**932**	**754**	**2188**	**682**	**7683**
	योग (अप्रैल 22 - मार्च 23)	**12140**	**3273**	**2668**	**7667**	**2252**	**28000**
	एक दिन की औसत उपस्थिति	**361**	**134**	**254**	**244**	**202**	**1195**

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केंद्र	जुलाई	अप्रैल 22 से
वेदांत आश्रम पपनामऊ चिनहट	28	55
सेवा समर्पण संस्थान, बिन्दौवा	144	490
51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब	60	177
अम्बेडकर नगर	62	121
माधव सेवा आश्रम	21	36
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र		
एलोपेथिक	427	1511
होम्योपैथिक	261	1087
रूग्ण सेवा केंद्र, माधव सेवा आश्रम	210	849
कुल लाभान्वित रोगी	1213	4326

नेत्र चिकित्सा (जुलाई)

	देवड़े नेत्र चिकित्सालय लखनऊ	अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	योग (अप्रैल - जुलाई)
नेत्र परीक्षण	615	2125	5010
चश्मा वितरण	347	1868	3441
मोतियाबिंद ऑपरेशन	4	0	77
Fundus Test	0	0	48
OCT Test	0	0	6
पैथोलॉजी	259	0	771

आलोक : नेत्र एवं पैथोलॉजी जांच केवल 20 रूपए के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है।

आप भी लिखें :- सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख (चित्र सहित), सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा संस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं सुझाव आदि सामग्री तथा सेवा संवाद के प्रकाशित अंकों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित कर हमारा मार्गदर्शन, सहयोग करने का कष्ट करें- सम्पादक।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	संपर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ. पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती सीमा अग्रवाल	9335922353
सामाजिक विज्ञानं एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन, के.जी.एम.यू. , लखनऊ	श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल	9415003111
देवडे नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक), लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्धवार्षिक), लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
विश्राम सदन, एम्स , दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र, दिल्ली	श्री गौरव गर्ग	9918532007
विश्राम सदन, आई. जी. आई. एम. एस., पटना	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457
विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा)	श्री विकास कपूर	9818098600
माधव सेवा विश्राम सदन , ऋषिकेश	श्री संजय गर्ग	9837042952
अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	डॉ सुशील उपाध्याय	9554966006

मुद्रक एवं प्रकाशक : श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा भाऊराव देवरस सेवा न्यास सी-91, निराला नगर, लखनऊ-226020 के लिए नूतन ऑफसेट मुद्रण केंद्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ-226002 से मुद्रित, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, सी-91, निराला नगर, लखनऊ-262020 से प्रकाशित - सम्पादक : डॉ शिवभूषण त्रिपाठी